अमर उजाला 11/10/2023

वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन और मिट्टी के अनुरूप तैयार करें बीज

सीएसए में किसान मेले के समापन पर बोले कृषि राज्य मंत्री, 59 लाख के बीज की हुई बिक्री

सीएसए के किसान मेले में स्टाल संचालकों को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक अर्चना पांडेय, कुलपति व अन्य। संवाद

सीएसए में आयोजित किसान मेले में लगी प्रदर्शनी में बीज की खरीदारी करते किसान। यहां कई जिलों से आए किसानों ने बीजों की विभिन्न प्रजातियां देखीं। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। जलवायु परिवर्तन तेजी से हो रहा है। मिट्टी की दशा भी बदल रही है। अब वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन और मिट्टी के अनुरूप ही बीजों की नई प्रजाति विकसित करें। जिसमें खर्चा कम हो और किसानों की आय को बढ़ाया जा सके। यह बातें प्रदेश के कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में चल रहे अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के समापन पर कहीं। उन्होंने कहा कि किसान मोटे अनाज की खेती पर जोर दें। तीन दिन चलने वाले किसान मेले में 59 लाख रुपये के बीज की बिक्री हुई है।

मुख्य अतिथि कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख व विशिष्ट अतिथि विवि के प्रबंध मंडल के सदस्य व विधायक सुरेंद्र मैथानी व अर्चना पांडेय ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण करने के साथ विभिन्न श्रेणी में विजेताओं को सम्मानित किया। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने बुजुर्गों से खेती की कमान युवाओं को देने की अपील की।

विधायक अर्चना पांडेय ने कहा कि विवि मिलेट्स से लेकर सभी फसलों में बेहतर काम कर रहा है। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि चार साल बाद मेले का आयोजन हुआ। जिसमें 2000 क्विंटल बीज बिक्री के लिए रखे गए हैं, जो काफी कम हैं। अगले मेले में 8000 क्विंटल बीज रखे जाएंगे। इसमें मिलेट्स की सभी प्रजातियों के साथ अलग-अलग प्रदेशों में फसलों की बेहतर प्रजाति के बीज कानपुर में ही मिलेंगे। इसके लिए विवि ने पैदावार शुरू कर दी है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

इस मौके पर गुरुविंदर सिंह छाबड़ा, विवि के डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. पीके सिंह, डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. राम बटुक सिंह, डॉ. मुनीश गंगवार, डॉ. विजय यादव, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

मेले में इनको किया गया सम्मानित

■ श्रीअन्न श्रेणी - श्री अन्न न्यूट्री एवं मिलेट कार्नर ■ अन्य प्रबंधन श्रेणी - कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग ■ सरकारी बीज श्रेणी - निदेशालय बीज एवं प्रक्षेत्र ■ सरकारी श्रेणी - भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर ■ अंतरराष्ट्रीय श्रेणी - आईआरआरआई-साउथ एशिया क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी ■ बीज श्रेणी - सूद सीड कंपनी ■ उर्वरक श्रेणी - इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर ■ कृषि यंत्र श्रेणी - पीके पैक बेयर ■ ग्रामोद्योग श्रेणी - भारद्वाज ग्रामोद्योग सेवा संस्थान ■ बैंकर्स-बीमा श्रेणी - बैंक ऑफ बड़ौदा ■ विवि कृषि महाविद्यालय कानपुर श्रेणी - बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ■ विवि सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय कानपुर श्रेणी - सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 15 | अंकः 02 | मूल्यः ₹ 3.00/- पेज : 12 | बुधवार | 11 अक्टूबर, 2023

विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय किसान मेले का समापन

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय किसान मेले का समापन मंगलवार को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने मेले में लगे स्टालों का निरीक्षण कर वहां लगे उत्पादों को देखा। उन्होंने कहा कि किसानो को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती करनी चाहिए। वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को कम करके उसका उत्पादन बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। मेले मे विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी, अर्चना पांडे एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छाबड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी को तथा उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार श्री राम फर्टिलाइजर को दिया गया। इस अवसर पर डॉ.सी.एल.मौर्य, डॉ.आर.के.यादव, डॉ.पी.के.सिंह, डॉ.पी.के.उपाध्याय सहित सभी अधिकारी और वैज्ञानिक मौजूद रहे।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी 05:37 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 2, अंक 51, पृष्ठ 16, मूल्यः 5 रुपये

कानपुर, बुधवार, 11 अक्टूबर 2023

www.amritvichar.com

गानिस्तान का मुकाबला आज...15

सुष्मिता सेन की आर्या सीरी

खेती-किसानी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में किसान मेले की समाप्ति पर बोले कृषि राज्यमंत्री

आय बढ़ाने के लिए कम करनी होगी खेती की लागत

तीन दिवसीय किसान मेले में 59 लाख रुपये के बीजों की हुई ब्रिकी

विभिन्न कंपनियों के स्टाल किए गए पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कृषि वैज्ञानिक तकनीक विकसित करने के साथ ही खेती की लागत में कमी लाने का प्रयास कर रहे हैं। यह तकनीक किसानों तक पहुंचे, उसके लिए और प्रयास करने होंगे। आज प्राकृतिक खेती से तैयार फसल और श्री अन्न की मांग हो रही है। इसलिए इनकी खेती जरूरी हो गई है। कम लागत होगी तो आय अपने आप ही बढ़ेगी।

यह बात कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कही। वह मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहें थे।

उन्होंने कहा कि मिट्टी की दशा भी बदल रही है। अब वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन और मिट्टी के अनुरूप ही बीजों की नई प्रजाति को विकसित करें। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। कई किसानों से बातचीत की। विभिन्न कंपनियों की ओर से लगाए गए स्टॉलों से उनके उपकरणों की कार्यप्रणाली को समझा। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि मेले दो हजार क्विंटल बीज बिक्री के लिए रखे गए, यह मात्रा मांग के अनुरूप कम हैं।

अगले मेले में आठ हजार क्विंटल बीज रखे जाएंगे, जिससे किसानों को दिक्कत न हो। प्रदर्शनी में मिलेट्स के साथ अलग-अलग प्रदेशों में फसलों की बेहतर प्रजाति के बीज मिलेंगे। समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विधायक सुरेंद्र मैथानी, डॉ. पीके सिंह, डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. राम बटुक सिंह, डॉ. मुनीश गंगवार, डॉ. विजय यादव, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

प्रदर्शनी देखते कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख व अन्य। अमृत विचार

इन्हें किया गया पुरस्कृत

बीज श्रेणी में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम, न्यूट्री टॉप सीड कंपनी को द्वितीय पुरस्कार मिला जबकि, उर्वरक श्रेणी में इफ्को को प्रथम, कृषक भारती को द्वितीय और कोऑपरेटिव लिमिटेड, श्री राम फर्टिलाइजर को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। श्री अन्न श्रेणी में श्री अन्न न्यूट्री एवं मिलेट कार्नर, अन्य प्रबंधन श्रेणी में कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग, सरकारी बीज श्रेणी में निदेशालय बीज एवं प्रक्षेत्र सरकारी श्रेणी में भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में आईआरआरआई साउथ एशिया क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी को पुरस्कृत किया गया।

किसान बना बिजनेसमैन, प्राफिट के लिए करता है खेती

❑ स्टाल लगाने वालों को पुरस्कार बांटे, मिलेट्स को दिया जाएगा बढ़ावा

प्रदर्शनी को देखते राज्यमंत्री बलदेव सिंह व अन्य।

ट्राफी के साथ विवि के छात-छात्राएं।

किसान मेले में बिके 55 लाख से अधिक के बीज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय (8 से 10 अक्टूबर 2023) किसान मेले एवं उद्योग प्रदर्शनी में गेहूं, तिहलन, दलहन सहित कई प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त बीज खरीदने के लिए किसानों की काफी भीड़ रही है। बीते दो दिनों में 40 से 45 लाख रुपये तक बीजों की बिक्री हुई थी। किसान मेले के आखिरी दिन भी बीज बिक्री केंद्रों पर भीड़ रही। इस साल दो हजार कुंतल बीज बिक्री के लिए रखा गया था और बीजों की डिमाड को देखते हुए अगले साल किसान मेले में 7 हजार कुंतल तक बीजों की बिक्री का लक्ष्य रखा गया है।

सीएसजेएमयू ने जीता पुरस्कार

कानपुर। स्कूल ऑ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, सीएसजेएमयू ने सीएसए के किसान मेले में सक्रिय प्रतिभाग एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। संस्थान ने प्रिसीजन फार्मिंग एवं एकीकृत फसल प्रणाली के मॉडल को प्रदर्शित किया जो मेले में सभी कृषक बंधुओ के बीच प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। जिसे सस्य विज्ञानं परास्नातक के छात्र- छात्राओं द्वारा निर्मित किया गया। परास्नातक फूड टेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने श्री अन्न आधारित खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित किया एवं कृषि स्नातक के छात्र-छात्राओ ने बायो गैस टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया।

कानपुर, 10 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय (8 से 10 अक्टूबर 2023) किसान मेले एवं उद्योग प्रदर्शनी के समापन पर मुख्य अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि अब किसान बिजनेसमैन बन गया है और फायदे वाली ही खेती-बाड़ी करेगा। उन्होंने कहाकि हमें प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती की जरूरत है। किसानों से अपील करते हुए मंत्री ने कहाकि किसान भाइयों को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए, ताकि गुणवत्तायुक्त खाद्यान के सेवन से भी बीमारियों से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहाकि वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को कम करके उसका उत्पादन बढेगा होगा। । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। कुलपति के साथ राज्यमंत्री ने मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां के उत्पादों को देखा। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहाकि मिलेट्स की फसलों की डिमांड काफी बढ़ी है और पीएम मोदी मिलेट्स को बढावा दे रहे है। खेती में विविधीकरण आवश्यक है। तकनीकी खेती के साथ ही खाने की थाली में पोषण भी बढ़ेगा। अगले वर्षों में 7 हजार कुंतल तक बीजों की बिक्री का लक्ष्य रखा गया ताकि किसानों को गुणवत्तायुक्त बीजों की आवश्यकता को पूर्ण किया जा सके। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विधायक सुरेंद्र मैथानी एवं प्रबंध मंडल के सदस्य व विधायक श्रीमती अर्चना पांडे ने अपने विचार रखे। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरविंदर छबड़ा (विक्की) भी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार श्री राम फर्टिलाइजर को दिया गया। इस अवसर पर डॉ सी एल मौर्य, डॉ आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉ पी के उपाध्याय सहित सभी वैज्ञानिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. नौशाद खान ने किया।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

11,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कृषि मंत्री की मौजूदगी में हुआ किसान मेले का समापन, ऐतिहासिक रहा किसान मेला

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय (दिनांक 8 से 10 अक्टूबर 2023) किसान मेले का आज समापन हुआ। सपापन अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। कृषि राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख जी ने कहा कि हमें प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती की जरूरत है। इसलिए किसान भाइयों को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के हित में वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को काम करके उसका उत्पादन हर हाल में बढ़ाना है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी एवं श्रीमती अर्चना पांडे उपस्थिति रही। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छाबड़ा जी (विक्की) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार श्री राम फर्टिलाइजर को दिया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी अधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 11 अक्टूबर • 2023

प्राकृतिक व श्रीअन्न की खेती पर जोर दें किसान : औलख

सीएसए किसान मेले के समापन पर कृषि प्रदर्शनी देखते किसान। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी के समापन पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि किसान प्राकृतिक व श्रीअन्न की खेती पर जोर दें। समापन दिवस पर मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टालों को पुरस्कृत किया गया।

मेले के समापन समारोह में प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने मेले में लगे स्टालों का निरीक्षण करने के साथ ही यहां प्रदर्शित किये गये किसान और कृषि उपयोगी उत्पादों को देखा। श्री औलख ने कहा कि हमें प्राकृतिक ढंग की खेती करने की जरूरत है। इसलिये किसान प्राकृतिक व परम्परागत तरीके से खेती करें। साथ ही उन्होंने किसानों से मोटा अनाज यानी श्रीअन्न की खेती करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न न केवल किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचायगा बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य को भी दुरुस्त रखेगा। कृषि राज्य मंत्री ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक लगातार किसानों के हित में कृषि सम्बंधी शोध कर रहे हैं। जिसका उद्देश्य खेती की लागत कम करना और उत्पादन में वृद्धि करना है।

श्री औलख ने कहा कि किसान मेला जैसे आयोजनों से किसानों को कृषि सम्बंधी नवीनतम तकनीकी जानकारियां मिलती हैं, जिससे उनकी फसलें उत्पादन बढ़ता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समापन मौके पर मेले में लगे स्टालों में उत्कृष्ट स्टालों को पुरस्कृत किया गया।

> समापन दिवस पर पुरस्कृत किये गये स्टाल

बीज श्रेणी में मूर सीड कम्पनी को प्रथम, न्यूट्री टॉप सीड को द्वितीय, उर्वरक श्रेणी में इफको को प्रथम, कृषक भारती कोऑपरेटिव और तृतीय पुरस्कार श्रीराम फर्टिलाइजर को दिया गया। समापन मौके पर विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र मैथानी, अर्चना पाण्डेय, सुरिन्दर सिंह डाबरा के अलावा डॉ. सीएल मौर्य, डॉ.आलोक यादव, डॉ. पीके सिंह और डॉ. पीके उपाध्याय सहित अन्य कृषि वैज्ञानिक व अधिकारी मौजूद थे।

बीज विज्ञान व प्रौद्योगिकी स्टाल पहले स्थान पर

कानपुर (एसएनबी)। किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी में बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्टाल को प्रथम स्थान दिया गया। वहीं एमबीए एग्री बिजनेस मैनेजमेंट को स्पेशल अवार्ड दिया गया। कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो.सीएल मौर्य ने बताया कि दोनों संकायों ने अच्छा काम किया। इस दौरान अंजू सिंह, डॉ.नीतू, सौरभ सोनकर, डॉ.हर्षित गुप्ता और अजय प्रताप सिंह आदि थे। इसी तरह छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने भी किसान मेला में प्रतिभाग किया था। जिन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। संस्थान ने मिनीहाल फार्मिंग व एकीकृत फसल प्रणाली के मॉडल को प्रदर्शित किया, जो मेले में आए किसानों के आकर्षण का केन्द्र बना रहा। इसके साथ ही सीएसजेएमयू की छात्राओं ने श्री अन्न आधारित खाद्य उत्पाद प्रदर्शित कर सराहना प्राप्त की।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा मे प्रसारित

कानपुर, बुधवार 11 अक्टूबर 2023 पृष्ठ : 8

सीएसए में लगे किसान मेले का समापन

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय (दिनांक 8 से 10 अक्टूबर 2023) किसान मेले का आज समापन हुआ सपापन अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि हमें प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती की जरूरत है इसलिए किसान भाइयों को श्री अन्न

एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के हित में वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं जिससे खेती की लागत को कम करके उसका उत्पादन हर हाल में बढ़ाना है इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी एवं अर्चना पांडे उपस्थिति रही। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरविंदर छाबड़ा (विक्की) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार श्री राम फर्टिलाइजर को दिया गया इस अवसर पर डॉक्टर सीएल मौर्य, डॉक्टर आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी अधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय किसान मेले का हुआ समापन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय (दिनांक 8 से 10 अक्टूबर 2023) किसान मेले का समापन हुआ। सपापन अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। कृषि राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख जी ने कहा कि हमें प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती की जरूरत है। इसलिए किसान भाइयों को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के हित में वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को काम करके उसका उत्पादन हर हाल में बढ़ाना है। इस अवसर पर उन्होंने

कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी एवं श्रीमती अर्चना पांडे उपस्थिति रही। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छाबड़ा जी (विक्की) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार श्री राम फर्टिलाइजर को दिया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी अधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

कानपुर जागरण

'श्रीअन्न की खेती करें किसान, विज्ञानी भी घटाएं लागत'

सीएसए में कृषि विज्ञान मेले का हुआ समापन, कृषि राज्यमंत्री ने किया आह्वान

जासं, कानपुर : कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने मंगलवार को सीएसए के कृषि विज्ञान मेले के समापन भाषण में किसानों और कृषि विज्ञानियों का श्रीअन्न खेती के लिए आह्वान किया। उन्होंने विज्ञानियों से कहा कि खेती में लागत कम उत्पादन ज्यादा करने के लिए काम करें। उन्होंने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान, भूमि संरक्षण एवं फल विज्ञान विभाग के स्टाल को श्रेष्ठता पुरस्कार भी दिया।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती हर किसान को करनी चाहिए। कृषि विज्ञानी भी किसानों की लागत कम करने के साथ ही अधिक उत्पादन वाली प्रजातियों पर काम करें। ऐसी तकनीक विकसित करें जो कृषि लाभ बढ़ाए और विज्ञानी इसका प्रचार-प्रसार भी करें। उन्होंने मेले का भ्रमण भी किया। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने विशिष्ट अतिथि विधायक सुरेंद्र मैथानी व विधायक अर्चना पांडे, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छाबड़ा का स्वागत किया। डा. सीएल मौर्य, डा. आरके यादव, डा. पीके सिंह, डा. पीके उपाध्याय उपस्थित रहे।

किसान मेले में लगे स्टालों का कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने निरीक्षण किया। साथ में विधायक सुरेंद्र मैथानी, अर्चना पांडेय मौजूद रहीं ● जागरण

तीन दिन में बिके 59 लाख के बीज : सीएसए के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र प्रो. विजय कुमार यादव ने बताया कि तीन दिन में 59 लाख रुपये के बीजों की बिक्री सीधे किसानों को की गई है। सबसे ज्यादा गेहूं, धान, चना के बीज बिके हैं लेकिन सरसों, राई, मटर व अन्य फसलों के बीज भी किसानों ने बड़ी मात्रा में खरीदे हैं।

इन महाविद्यालयों को मिला श्रेष्ठता पुरस्कार

कृषि महाविद्यालयों का प्रथम पुरस्कार बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, द्वितीय भूमि संरक्षण एवं जल प्रबंध, तृतीय फल विज्ञान विभाग और विशिष्ट पुरस्कार फसल सुधार विभाग को मिला। प्रसार निदेशालय, श्रीअन्न न्यूट्री एवं मिलेट कार्नर और सरकारी बीज श्रेणी में निदेशालय बीज एवं प्रक्षेत्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय दलहन अनुसंधान, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्था बेंगलुरु और औषधीय व सुगंधित पादप अनुसंधान निदेशालय आणंद को पुरस्कार के लिए चुना गया।

धान-गेहूं के साथ अपनाएं फूल और औषधीय खेती का माडल

जासं, कानपुर : किसानों की आय का दोगुणा से भी अधिक बढ़ाने का माडल फिरोजाबाद कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े किसान रघुवीर सिंह लेकर आए हैं। वह धान-गेहूं के साथ ही हल्दी की औषधीय खेती भी कर रहे हैं। कृषि विज्ञानियों का भी कहना है कि खेती से अच्छी कमाई करने के लिए फल, सब्जी व पुष्पों की मिश्रित खेती का माडल अपनाना होगा।

सीएसए के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में शिकोहाबाद के नगला पऊलाल से आए किसान रघुवीर सिंह ने बताया कि 40 साल तक तीन एकड़ की खेती करने पर भी उनकी आर्थिक स्थिति खराब ही बनी रही। जब से उन्होंने जैविक खेती का माडल अपनाया और हल्दी, चुकंदर, शकरकंद के साथ हरी सब्जी उगाना शुरू किया तो कमाई तीन से चार गुणा अधिक हो गई है। वह कहते हैं कि गेहूं और धान की खेती जरूरत के लिए करें, बाकी हिस्से में हरी सब्जी, फल, और औषधीय खेती करें। कृषि विज्ञान केंद्र शिकोहाबाद के डा. नौशाद आलम ने ने कहा कि किसानों को बताया जा रहा है कि सब्जी के साथ ही फल और औषधियों का उत्पादन करें। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद बेंगलुरु के स्टाल पर मौजूद डा. चैतन्य ने बताया कि गुलाब व अन्य पुष्पों की खेती से किसानों की आय को तेजी से बढ़ाया जा सकता है। गुलाब का अर्क निकालना भी आसान है। इसके अलावा अन्य फूलों की खेती भी पारंपरिक धान-गेहूं की खेती से ज्यादा लाभकारी है। किसानों ने फूलों की खेती में दिलचस्पी दिखाई।

अमर भारती

एक उम्मीद

रण

: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 11 अक्टूबर 2023 शक सम्वत् 1945, 3

कृषि मंत्री की मौजूदगी में हुआ किसान मेले का समापन

अमर भारती ब्यूरो।

कानपुर। सीएसए में तीन दिवसीय (8 से 10 अक्टूबर) किसान मेले का आज समापन हुआ। सपापन अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा।

कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख जी ने कहा कि हमें प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती की जरूरत है। इसलिए किसान भाइयों को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के हित में वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को काम करके उसका उत्पादन हर हाल में बढ़ाना है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी एवं श्रीमती अर्चना पांडे उपस्थिति रही। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छाबड़ा जी (विक्की) भी उपस्थित रहे। जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी अधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-214 कानपुर, बुधवार 11 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

कृषि मंत्री की मौजूदगी में हुआ किसान मेले का समापन, ऐतिहासिक रहा किसान मेला

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में तीन दिवसीय (दिनांक 8 से 10 अक्टूबर 2023) किसान मेले का आज समापन हुआ। सपापन अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख जी ने कहा कि हमें प्राकृतिक एवं अन्न की खेती की जरूरत है। इसलिए किसान भाइयों को अन्न एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के हित में वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को काम करके उसका उत्पादन हर हाल में बढ़ाना है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी एवं श्रीमती अर्चना पांडे उपस्थिति रही। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छाबड़ा जी (विक्की) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार राम फर्टिलाइजर को दिया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी अधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

किसान भाइयों को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती की जरूरत: औलख

मेले का अवलोकर करते कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख।

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय किसान मेले का समापन हुआ। सपापन अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि हमें प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती की जरूरत है। इसलिए किसान भाइयों को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के हित में वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को काम करके उसका उत्पादन हर हाल में बढ़ाना है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी एवं श्रीमती अर्चना पांडे उपस्थिति रही। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छबड़ा जी (विक्की) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफको, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार श्री राम फर्टिलाइजर को दिया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी अधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

सोलन से सीएसए आया एक लाख रुपए किलो वाला मशरूम

हेल्थ सप्लीमेंट बनाने में किया जा रहा इसका यूज, बनी रहती फिटनेस और बढ़ता स्टेमिना

kanpur@inext.co.in

KANPUR (10 Oct): आपने अभी तक मशरूम के रेट 200 से 300 रुपए किलो सुने होंगे. अगर आपको हम बताएं कि मशरूम को कीमत एक लाख रुपए किलो भी होती है तो शायद आप सुनकर चौंक जाएं. लेकिन यह सच है.

सीएसए में किसान मेला

सीएसए यूनिवर्सिटी में किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में आईसीएआर के खुम्ब अनुसंधान निदेशालय, चंबाघाट सोलन (हिमाचल प्रदेश) के स्टाल में कार्डिसेप्स मशरूम नाम से एक लाख किलो कीमत वाला मशरूम आकर्षण का केंद्र रहा. सोलन स्थित निदेशालय से आए तकनीक अधिकारी गुलेर राणा ने बताया कि इसका यूज चाइना के प्लेयर करते है.

एक लाख रुपए किलो के दाम वाला कार्डिसेप्स मशरूम.

17000 रुपए किलो में है गैनोडर्मा मशरूम

2000 रुपए किलो में शिटाके मशरूम

1500 रुपए में हेरिशियम मशरूम

इस मशरूम के फायदे

वैसे तो मशरूम हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है, लेकिन कार्डिसेप्स मशरूम का इंडिया में खासतौर पर यूज हेल्थ सप्लीमेंट बनाने में किया जा रहा है. इससे एक तो स्टैमिना बढ़ता है और बढ़ती उम्र में भी फिटनेस बनी रहती है. इसी खूबी की वजह से इसकी मांग ज्यादा है और कीमत भी. उन्होंने बताया कि ड्राई मशरूम की कीमत एक लाख रुपए प्रति किलोग्राम है. इसको लकड़ी के बुरादे में ठंड के समय उगाया जाता है.

एंटी कैंसर प्रॉपर्टी और मेंटल हेल्थ वाले मशरूम

आईसीएआर के खुम्ब अनुसंधान निदेशालय के स्टाल पर मेडिटेशनल यूज वाला मशरूम लगाया गया है. निदेशालय के तकनीक अधिकारी गुलेर राणा ने बताया कि गैनोडर्मा मशरूम में एंटी कैंसर, एंटी शुगर और स्टैमिना बढ़ाने वाली प्रापर्टी है. इसकी कीमत 17000 रुपए किलो है. 2000 रुपए किलो वाले शिटाके मशरूम में एंटी कैंसर और 1500 रुपए कीमत वाला हेरिशियम मशरूम मेंटल हेल्थ के लिए काम करता है.

मशरूम से बनाए फास्टफूड युवाओं को भाए

सीएसए के प्लांट पैथोलॉजी डिपार्टमेंट के स्टॉल में मशरूम से फास्ट फूड बनाकर लगाए गए थे. इस स्टॉल में व्हाइट सॉस पास्ता, बर्गर, कैंडी, अचार और मुरब्बा आदि था. इसके अलावा मशरूम की नमकीन और पापड़ भी लगाए गए. मशरूम से बने फास्टफूड की वैराइटी लोगों को खासी पसंद आयी.

CSA को ट्रायल में मिली सक्सेस, उगाया ड्रैगन फ्रूट

ड्रैगन फूड दिखाते प्रो. वीके त्रिपाठी.

kanpur@inext.co.in

KANPUR (10 Oct): चंद्रशेखर आजाद एग्रीकल्चर एंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी (सीएसए) के हार्टिकल्चर डिपार्टमेंट को केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक के क्लाइमेट में होने वाले एक स्पेशल फ्रूट को कैंपस में उगा लिया है. हार्टिकल्चर डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. वीके त्रिपाठी ने लगभग 18 महीने पहले ड्रैगन फ्रूट के प्लांट को ट्रायल के तौर पर कैंपस में लगाया था. ट्रायल का रिजल्ट सक्सेस रहा और ड्रैगन फ्रूट उग आया है. सीएसए में लगे किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में हार्टिकल्चर डिपार्टमेंट के स्टॉल में ड्रैगन फ्रूट को देखने के लिए स्टूडेंट और किसानों की भीड़ लगी रही. इसके अलावा दो किलो वजन वाले बेल के फल को देखने के लिए भी लोग आए. डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि यह बेल की ऐसी वैरायटी है, जिसका छिल्का हल्का और गूदा ज्यादा होता है.

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 38 कानपुर, बुधवार 11अक्टूबर-2023 पृष्ठ -8

कृषि मंत्री की मौजूदगी में हुआ किसान मेले का समापन

समाज का साथी

कानपुर । सीएसए में तीन दिवसीय (8 से 10 अक्टूबर) किसान मेले का आज समापन हुआ। सपापन अवसर पर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि हमें प्राकृतिक एवं श्री अन्न की खेती की जरूरत है। इसलिए किसान भाइयों को श्री अन्न एवं प्राकृतिक खेती करना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के हित में वैज्ञानिक लगातार कृषि शोध कार्य कर रहे हैं। जिससे खेती की लागत को काम करके उसका उत्पादन हर हाल में बढ़ाना है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसानों को लाभ एवं तकनीकी जानकारी मिलती है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक एवं प्रबंध मंडल के सदस्य सुरेंद्र मैथानी एवं अर्चना पांडे उपस्थिति रही। दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गुरुविंदर छाबड़ा (विक्की) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।जिसमें बीज श्रेणी के स्टाल में सूद सीड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार न्यूट्री टॉप सीड कंपनी, जब कि उर्वरक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार इफ्को, द्वितीय पुरस्कार कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड एवं तृतीय पुरस्कार श्री राम फर्टिलाइजर को दिया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर आरके यादव, डॉ पीके सिंह, डॉक्टर पी के उपाध्याय सहित सभी अधिकारी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी 05:37 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 2, अंक 51, पृष्ठ 16, मूल्यः 5 रुपये

कानपुर, बुधवार, 11 अक्टूबर 2023

www.amritvichar.com

गानिस्तान का मुकाबला आज...15

सुष्मिता सेन की आर्या सीरी

रिसर्च: मूंगफली के छिलके से बनी डाई चमकाएगी कपड़े

अमृत विचार

विशेष

शशांक शेखर भारद्वाज, कानपुर

अमृत विचार। सोचिये कपड़ा ऐसा हो जो सूर्य से आने वाली हानिकारक पैराबैंगनी किरणों से बचाए और जीवाणुओं के हमले से सुरक्षा करे तो कितना बेहतर होगा। शरीर कई तरह के रोगों से सुरक्षित रह सकेगा। इस कल्पना को सच चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के विशेषज्ञों ने किया है। उन्होंने मूंगफली के छिलकों से हर्बल डाई बनाई है, जिससे धोने से कपड़ों में चमक आ जा रही है। यह पैराबैंगनी किरणों और जीवाणुओं के हमले से बचाएगी। शोध को अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रो. रितु पांडेय के नेतृत्व में एमएससी की छात्रा श्वेता पटेल ने मूंगफली के बेकार छिलके से इसे तैयार किया है। इस कार्य में राजस्थान के सेंट्रल शीप एंड वूल रिसर्च इंस्टीट्यूट के डॉ. सीको जोश और मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के डॉ. पिंटू पंडित ने सहयोग किया। प्रो. रितु पांडेय के मुताबिक डॉ. सीको जोश ने डाई व कपड़े की केमिकल और मैकेनिक टेस्टिंग की, जबकि डॉ. पिंटू पंडित ने डाई के बाद कपड़े की पैराबैगनी किरणों और जीवाणुओं के हमले की जांच की।

मूंगफली के छिलके से तैयार की गई डाई से रंगा कपड़ा। अमृत विचार

प्रो. रितु पांडेय। अमृत विचार

श्वेता पटेल। अमृत विचार

डॉ. सीको जोश। अमृत विचार

- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने किया तैयार
- अंतर्राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशित, पूरी तरह से है हर्बल, प्रदूषण का खतरा नहीं
- मूंगफली के छिलके से बनी डाई पैराबैंगनी किरणों व जीवाणुओं से करेगी सुरक्षा

प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के लिए भी कारगर

प्रो. रितु के मुताबिक हर्बल डाई का प्रिंटिंग टेक्नोलाजी में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में इस पर किए गए परीक्षण में नतीजे अच्छे आए हैं। सबसे पहले डाई को सुखा लिया। उसमें अलसी का तेल मिलाया गया। इस घोल को प्रिंटिंग इंक की तरह उपयोग किया गया। डाई तैयार करने की तकनीक आसान है।

डाई तैयार करने की कीमत न के बराबर

प्रो. पांडेय के मुताबिक मूंगफली के छिलके से डाई तैयार करने की कीमत न के बराबर है। उन्होंने बताया कि चिक्की बनाने वाली फैक्ट्रियां और इकाईयां दाने के ऊपर हल्के भूरे व गुलाबी छिलकों को फेंक देती हैं। यह उनके किसी काम की नहीं होती है। इन छिलकों की भूसी को 100 ग्राम मात्रा में लेकर एक लीटर पानी में आधे घंटे के लिए उबाला गया। पानी को छान कर फिर से एक बार भूसी को साफ पानी में उबाला।दोनों बार के पानी एक ही में मिला लिया गया। इस पानी का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस के बीच रखा। अब इसमें रंगने वाले कपड़े को डाल दिया। करीब आधे घंटे के बाद निकाल लिया गया। इसमें एक बात का ध्यान रखना है कि जितने वजन का कपड़ा रंगना है उतने ही वजन की भूसी लेनी है।

रेशमी और ऊनी कपड़ों पर अच्छी रंगत

यह डाई सूती, ऊनी और रेशमी तीनों वस्त्रों के लिए बेहतर है, लेकिन इसकी सबसे अच्छी रंगत रेशमी और ऊनी कपड़ों पर आती है। सूती कपड़ों को गाढ़ा रंग करने के लिए 45 मिनट से एक घंटे तक रंगना पड़ता है। डाई से तैयार रंग की जांच उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान में भी हुई है।